

श

श संस्कृत या देवनागरी वर्णमाला का तीसवाँ वर्ण, यह ऊष्म ध्वनि है और तालु इसका उच्चारण स्थल है **पुं.** (तत्.) 1. हर्ष, आनंद, समृद्धि 2. मंगल, कल्याण 3. शस्त्र, हथियार, शस्त्रास्त्र 4. नाश करने वाला, काटने वाला, विनाशकर्ता 5. महादेव, शिव, भोलेनाथ।

शं **पुं.** (तत्.) 1. मंगल, कल्याण 2. सुख, शांति 3. वैराग्य **वि.** शुभ।

शंक **स्त्री.** (तत्.) डर, भय, शंका, आशंका, संदेह।

शंकन **पुं.** (तत्.) भय पैदा करना।

शंकना **अ.क्रि.** (तत्.) संदेह या शंका करना, डरना।

शंकनीय **वि.** (तत्.) शंका करने योग्य, जिसके बारे में शंका करने की गुंजाइश हो।

शंकर **पुं.** (तत्.) 1. तीन देवों में से एक देव शिव, महादेव, शंभु, भोलेनाथ, सृष्टि-संहारक 2. शंकराचार्य 3. छब्बीस मात्राओं का एक छंद जिसके अंत में दीर्घ, ह्रस्व का क्रम हो 4. एक राग 5. भीमसेनी कपूर **वि.** शुभंकर, मंगल करने वाला, कल्याणकारी, लाभदायक **दे.** संकर।

शंकर-शैल **पुं.** (तत्.) कैलास, शंकर का निवास स्थान।

शंकरा स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती 2. रात के दूसरे पहर में गाया जाने वाला ओड़व-षाड़व जाति का एक राग 3. शमी वृक्ष **वि.** मंगल करने वाली।

शंकराचार्य **पुं.** (तत्.) अद्वैतवाद के प्रवर्तक एवं सुप्रसिद्ध आचार्य, जो आठवीं शती के अंत और नवीं शती के आरंभ में विद्यमान थे और जिन्होंने भारत के चारों कोनों पर चार पीठ (ज्योतिष्पीठ, शृंगेरी पीठ, शारदा पीठ, व गोवर्धन पीठ) स्थापित किए।

शंकराभरण **पुं.** (तत्.) रागों की एक जाति, संपूर्ण जाति का एक राग।

शंकरालय **पुं.** (तत्.) कैलास पर्वत, कैलास धाम।

शंकरावास **पुं.** (तत्.) शंकर का आवास 1. कैलास पर्वत 2. भीमसेनी कपूर।

शंकराहवा स्त्री. (तत्.) शमी वृक्ष।

शंकरी स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती 2. शक, संशय, संदेह, आशंका 3. एक रागिनी 4. साहित्य का एक संचारी भाव 5. मजीठ 6. एक रागिनी **वि.** मंगल करने वाली।

शंकरीय **वि.** (तत्.) शंकर से संबंधित।

शंका स्त्री. (तत्.) 1. भय, संशय, डर 2. साहित्य का एक संचारी भाव।

शंकाकुल **वि.** (तत्.) शंका से त्रस्त, शंका से उद्विग्न।

शंकाजनक **वि.** (तत्.) शंका उत्पन्न करने वाला।

शंका निवारण **पुं.** (तत्.) संशय का दूर होना, संशय का दूर किया जाना।

शंकालु **वि.** (तत्.) शंका करने वाला, शक्की, संशयी, संदेहशील।

शंकाशंकु **पुं.** (तत्.) भय का काँटा।

शंकाशील **वि.** (तत्.) शंका करना जिसकी प्रकृति हो, अपने स्वभाव के कारण जो प्रायः शंका करता हो।

शंकाशीलता **वि.** (तत्.) शंकाशील होने का भाव।

शंकाहीन **वि.** (तत्.) शंका से रहित।

शंकित **वि.** (तत्.) 1. जिसे शंका हुई हो, शंकायुक्त, जिसे संदेह हुआ हो 2. डरा हुआ **पुं.** तत्. चोरक नामक गंध द्रव्य।

शंकितचित्त **पुं.** (तत्.) जिसके मन में शंका हो।

शंकितमना **वि.** (तत्.) संशयालु, संशयशील व्यक्ति, जो प्रायः शंका करता हो।

शंकितव्य **वि.** (तत्.) शंका के योग्य।

शंकी **पुं.** (तत्.) **दे.** शंकितमना।

शंकु **पुं.** (तत्.) 1. कोई नुकीली वस्तु 2. कील, मेख 3. बरछा, भाला 4. खूँटी 5. कामदेव 6. शिव 7. वह खूँटी जिससे प्राचीनकाल में सूर्य या दीए की छाया को नापा जाता था।

शंकुक **पुं.** (तत्.) छोटी खूँटी।